भारत सरकार
सहकारिता मंत्रालय

राज्य सभा
तारांकित प्रश्न सं. 281
बुधवार, 26 मार्च, 2025 (5 चैत्र, 1947, (शक)) को उत्तरार्थ

श्वेत क्रांति

281 श्री राघव चड्ढाः

क्या **सहकारिता** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पंजाब में 'श्वेत क्रांति 2.0' पहल के कार्यान्वयन में क्या प्रगति हुई है; और

(ख) पंजाब में विशेष रूप से महिला किसानों के सशक्तीकरण और स्थानीय दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

सहकारिता मंत्री
(श्री अमित शाह)

(क) से (ख): सदन के पटल पर एक विवरणी रखी है ।

दिनांक 26 मार्च, 2025 को उत्तरार्थ श्री राघव चड्ढा, माननीय संसद सदस्य द्वारा "श्वेत क्रांति" के संबंध में पूछे गए राज्य सभा तारांकित प्रश्न सं. 281 के भाग (क) से (ख) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क) से (ख): सहकारिता मंत्रालय ने "अगले पांच वर्षों में अनाच्छादित क्षेत्रों में डेयरी किसानों को बाजार पहुंच प्रदान करके डेयरी सहकारी समितियों के दुग्ध प्रापण को वर्तमान स्तर से 50% तक बढ़ाने और संगठित क्षेत्र में डेयरी सहकारी समितियों की हिस्सेदारी में वृद्धि" करने के उद्देश्य से सहकारी आच्छादन में विस्तार, रोजगार सृजन और महिला सशक्तीकरण को लक्षित सहकारिता आधारित "श्वेत क्रांति 2.0" लॉन्च की है ।

दिनांक 19.09.2024 को श्वेत क्रांति 2.0 के मानक प्रचालन प्रक्रिया (SOP) को लॉन्च किया गया था । मात्रात्मक रूप से पांचवें वर्ष, अर्थात वर्ष 2028-29 के अंत तक डेयरी सहकारी समितियों द्वारा दुग्ध प्रापण 1007 लाख किलोग्राम प्रति दिन तक पहुंचने का अनुमान है । इस लक्ष्य को द्वि-आयामी रणनीतियों के माध्यम से प्राप्त किया जाएगा:

i. डेयरी सहकारी समितियों द्वारा आच्छादन में विस्तार
ii. डेयरी सहकारी समितियों की पहुंच को सघन करना

उपर्युक्त प्रयोजन हेतु सहकारिता मंत्रालय ने अनाच्छादित पंचायतों/गांवों में 75,000 नई डेयरी सहकारी समितियों (DCSs) की स्थापना करने तथा 46,422 मौजूदा डेयरी सहकारी समितियों (DCSs) को सशक्त करने की परिकल्पना की है । इन डेयरी सहकारी समितियों (DCSs) को मौजूदा दुग्ध मार्गों के विस्तारण अथवा नए दुग्ध मार्ग सृजित करके बाजार लिंकेज प्रदान किया जाएगा । श्वेत क्रांति 2.0 से संबंधित विभिन्न कार्यकलापों का समन्वय एनडीडीबी द्वारा किया जाएगा ।

भारत के डेयरी सेक्टर में महिलाओं की अपरिहार्य भूमिका है और वे दूध दुहना, मवेशियों को खिलाना, मवेशियों को पालना और पशु स्वास्थ्य सुनिश्चित करने से संबंधित महत्वपूर्ण कार्य करती हैं । डेयरी कृषि के लगभग 70% श्रमबल में महिलाएं आती हैं लेकिन इस सेक्टर के असंगठित प्रकृति के कारण उनके योगदान को प्राय: महत्व नहीं दिया जाता है । महिला नेतृत्व वाली डेयरी सहकारी समितियां उनके सशक्तीकरण के शक्तिशाली उपकरण के रूप में उभरी हैं । श्वेत क्रांति 2.0 के अधीन प्रत्येक पंचायत/गांव में डेयरी सहकारी समितियों की स्थापना द्वारा महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए अधिकाधिक महिलाओं को संगठित डेयरी सहकारी क्षेत्र में लाया जाएगा ।

जहां तक पंजाब का संबंध है, श्वेत क्रांति 2.0 के अधीन 2,378 नई डेयरी सहकारी समितियों की स्थापना और 2,440 मौजूदा डेयरी सहकारी समितियों के सशक्तीकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है और अब तक 87 डेयरी सहकारी समितियों को पंजीकृत किया गया है ।

*****